त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2024)

## हमारी विरासत

### खाटू श्याम मंदिर

https://www.tourism.rajasthan.gov.in/khatu-shyam-temple

खाटू श्याम जी मंदिर सीकर जिले में सीकर शहर से सिर्फ 43 कि.मी. दूर खाटू गांव में स्थित है और यह राजस्थान के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में से एक है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, खाटू श्याम जी घटोत्कच के पुत्र और भीम के पोते बर्बरीक का अवतार हैं। बर्बरीक महाभारत में एक प्रमुख व्यक्ति थे, और एक दुर्जेय योद्धा थे जो अपनी अजेयता के लिए जाने जाते थे और उनके पास तीन शक्तिशाली बाण थे जो किसी भी युद्ध में जीत की गारंटी दे सकते थे। चूँकि बर्बरीक की उपस्थिति से युद्ध का संतुलन अपने आप बदल जाता था, जिससे उनका चुना हुआ पक्ष विजेता बन जाता था। यह उनके द्वारा केवल हारने वाले पक्ष की ओर से हस्तक्षेप करने के वादे के विपरीत होता और अंततः उन्हें अंतिम व्यक्ति के रूप में छोड़ देता। पूर्ण विनाश को रोकने के लिए, श्री कृष्ण ने बर्बरीक से अपने सिर का बलिदान करने के लिए कहा, और उनके सम्मान के कार्य (बलिदान) के साथ युद्ध शुरू हुआ। श्री कृष्ण बर्बरीक की भक्ति और महान बलिदान से बेहद खुश हुए और उन्होंने उसे वरदान दिया कि वह कृष्ण के अपने नाम, श्याम जी से जाना जाएगा और उसके अपने रूप में पूजा जाएगा। बर्बरीक का सिर खाटू गांव में गड़ा हुआ मिला था। एक बार एक गाय जब दफन स्थान के पास पहुंची तो उसके थन से स्वतः ही दूध बहने लगा। इस घटना से चकित होकर स्थानीय ग्रामीणों ने उस स्थान को खोदा और गड़ा हुआ सिर सामने आया। खाटू के राजा रूप सिंह चौहान ने एक स्वप्न देखा और इसलिए, उनके द्वारा 1027 ई. में मूल मंदिर का निर्माण कराया गया और फाल्गुन माह में शुक्ल पक्ष के 11वें दिन मूर्ति स्थापित की गई। 1720 ई. में, पुराने मंदिर का जीर्णोद्धार मारवाड़ के शासक द्वारा किया गया था। इस समय मंदिर ने अपना वर्तमान आकार लिया और दुर्लभ पत्थर से बनी मूर्ति को गर्भगृह में स्थापित किया गया। भक्तों का मानना है कि बर्बरीक या खाटू-श्याम का नाम अपने दिल की गहराई से उच्चारण करने से आशीर्वाद मिलता है और उनकी परेशानियां दूर होती हैं। यह भगवान कृष्ण और बर्बरीक की पूजा करने के लिए एक तीर्थस्थल है। सफेद संगमरमर से निर्मित यह मंदिर वास्तव में एक वास्तुशिल्प आश्चर्य है। कई लोग संरचना की सुंदरता को आश्चर्य से देखने के लिए मंदिर जाते हैं। मंदिर के पास ही श्याम कुंड नामक एक पवित्र तालाब है, जहाँ से खाटू श्याम जी का सिर निकाला गया था। इस तालाब में डुबकी लगाने से व्यक्ति की बीमारियाँ दूर हो जाती हैं और उसे अच्छा स्वास्थ्य मिलता है। खाटू श्याम मंदिर तक सड़क और ट्रेन के ज़रिए आसानी से पहुँचा जा सकता है। रींगस जंक्शन सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन है जो लगभग 17 किमी दूर है और स्टेशन के बाहर मंदिर के लिए कई निजी कैब और जीप उपलब्ध हैं जिसके द्वारा खाटू श्याम मंदिर पंहुचा जा सकता है। सबसे नज़दीकी हवाई अड्डा जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है, जो मंदिर से लगभग 80 कि.मी. दूर है जबकि जयपुर और खाटू के बीच कई निजी और सरकारी बसें चलती हैं।

## महत्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

### राजस्थान में माँ वाउचर योजना शुरू की गई

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने बिड़ला ऑडिटोरियम जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में माँ वाउचर योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह, माननीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री जोगाराम पटेल, श्रीमती मंजू शर्मा (सांसद, जयपुर), एसीएस ऊर्जा श्री आलोक आईएएस, पीएस चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौर आईएएस, सचिव डीओपी डॉ के.के. पाठक आईएएस, मिशन निदेशक एनएचएम श्रीमती भारती दीक्षित आईएएस सहित राज्य के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में राज्य के जिले वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े, जहां जिले के प्रभारी मंत्री, जिला प्रशासन और लाभार्थियों के साथ मौजूद थे। माँ वाउचर प्रणाली एसआईओ राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में एनआईसी चिकित्सा और स्वास्थ्य परियोजना टीम के सदस्य - अंजू मित्तल (वैज्ञानिक-एफ), श्री गौरीश वशिष्ठ (वैज्ञानिक-डी), श्री टीकाराम मीना (वैज्ञानिक-बी) और श्री अमृत शर्मा (एसटीए-'बी') द्वारा विकसित की गई है। । प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत राजस्थान सरकार द्वारा माँ (मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य) वाउचर योजना शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान राज्य के उन क्षेत्रों में निजी सोनोग्राफी केंद्रों पर एक सोनोग्राफी मुफ्त कराने में सक्षम बनाना है जहां सरकारी अस्पतालों में सोनोग्राफी की सुविधा नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी सेवाओं के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। इस योजना के तहत - गर्भवती महिलाओं को क्यूआर कोड आधारित ई-वाउचर मिलता है और ई-वाउचर के आधार पर निजी केंद्रों पर सोनोग्राफी की जा सकती है। इससे शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी आने के साथ सुरक्षित मातृत्व अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

### पीसीटीएस से विश्व जनसंख्या दिवस पर पुरस्कार विजेताओं का चयन

एनआईसी राजस्थान द्वारा विकसित गर्भावस्था, बाल ट्रैकिंग और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन प्रणाली (पीसीटीएस) का उपयोग चिकित्सा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित एक समारोह में विश्व जनसंख्या दिवस के लिए पुरस्कार विजेताओं का चयन करने के लिए किया जाता है। वर्ष के दौरान विभिन्न प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर पुरस्कार विजेताओं का चयन किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य पीसीटीएस प्रणाली के एक भाग के रूप में एनआईसी द्वारा विकसित मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं और परिवार कल्याण कार्यक्रमों में असाधारण योगदान देने वाले कर्मचारियों/स्वयंसेवकों/एनजीओ के प्रयासों को मान्यता देना और पुरस्कृत करना है। राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री, श्री भजन लाल शर्मा ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं, आशा, एएनएम, बीसीएमओ, सीएमएचओ, चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों आदि को पुरस्कृत किया। माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह, मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत आईएएस, एसीएस चिकित्सा एवं स्वास्थ्य नेहा गिरी आईएएस, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश और निदेशक परिवार कल्याण डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य आईएएस, आरएएस और अधिकारी मौजूद थे। एसआईओ राजस्थान श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में एनआईसी राजस्थान की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य परियोजना टीम द्वारा रिकॉर्ड समय में इस प्रणाली को विकसित किया गया।

**वेबसाइट** - https://pctsrajmedical.rajasthan.gov.in

### महानिदेशक एनआईसी द्वारा राजस्थान राज्य का दौरा

महानिदेशक (डीजी) एनआईसी और सीईओ - यूआईडीएआई, श्री अमित अग्रवाल आईएएस, 7 से 9 जुलाई, 2024 तक राजस्थान के तीन दिवसीय दौरे पर थे। एसआईओ राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा ने महानिदेशक महोदय का स्वागत किया। अपने दौरे के दौरान, डीजी एनआईसी ने राज्य/देश की ई-गवर्नेंस गतिविधियों पर तकनीकी चर्चा के संबंध में राजस्थान के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के साथ बातचीत की। वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों में - एसीएस (अतिरिक्त मुख्य सचिव) सीएम, एसीएस वित्त, एसीएस और सीएमडी राजस्थान राज्य भंडारण निगम, एसीएस परिवहन, एसीएस ऊर्जा, पीआर सचिव खाद्य और नागरिक आपूर्ति, पीआर सचिव राजस्व, सचिव गृह, सचिव राजस्व, सचिव शिक्षा, सचिव खान और पेट्रोलियम और सचिव वित्त आदि शामिल थे। उन्होंने एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र का दौरा किया और आईएनओसी सहित विभिन्न अनुभागों को देखा। डीजी एनआईसी ने एनआईसी राजस्थान के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एनआईसी राजस्थान की ई-गवर्नेंस गतिविधियों और राज्य सरकार के लिए एनआईसी द्वारा कार्यान्वित परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संबोधित किया और दिशा-निर्देश दिए। एसआईओ राजस्थान ने एनआईसी परियोजनाओं और राज्य व केंद्र की गतिविधियों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, वित्त विभाग के लिए एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस), राजस्व और मुद्रांक विभाग के लिए ई-पंजीयन, पहचान, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के लिए राजस्वास्थ्य कम्प्यूटरीकरण, शिक्षा विभाग के लिए शालादर्पण, परिवहन विभाग, विधानसभा कम्प्यूटरीकरण और एप्लीकेशन सुरक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र आदि परियोजनाओं के बारे में एनआईसी राज्य केंद्र के संबंधित अधिकारी के साथ चर्चा की। बैठक के दौरान, उन्होंने व्यापार करने में आसानी की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि नागरिक या अंतिम उपयोगकर्ता एनआईसी द्वारा विकसित और कार्यान्वित प्रणालियों से डिजिटल सेवाएं प्राप्त कर सकें। उन्होंने उन सभी अनुप्रयोगों में आधार चेहरा प्रमाणीकरण सेवा का उपयोग करने का निर्देश दिया जहां आधार प्रमाणीकरण सेवाओं का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने एनआईसी से ओटीपी और आईआरआईएस आधारित प्रमाणीकरणों की बजाय चेहरे के प्रमाणीकरण को अपनाने को कहा।

त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2024)

# महत्वपुर्ण आयोजन / घटनाएँ

## विशेष अभियान "एक पेड़ माँ के नाम" के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

एनआईसी राज्य केंद्र, जयपुर

एनआईसी कोटा

एनआईसी टोंक

एनआईसी राजसमंद

एनआईसी बांसवाड़ा

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र राजस्थान राज्य केंद्र एवं समस्त जिला केन्द्रों द्वारा विशेष अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एनआईसी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। शासन सचिवालय जयपुर में मंत्रालय ब्लॉक के पीछे, पार्क के अन्दर, राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा एवं समस्त एनआईसी टीम के सहयोग से वृक्षारोपण किया गया। एनआईसी विद्याधर नगर कार्यालय परिसर में भी वृक्षारोपण किया गया। इसी प्रकार इस विशेष अभियान के दौरान राज्य के समस्त जिला केन्द्रों द्वारा भी वृक्षारोपण कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किये गये। जिले में अलग-अलग स्थानों जैसे - कलेक्ट्रेट परिसर, सरकारी स्कूलों व अन्य स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया। इसमें 425 पौधे लगाये गये जिनमें आंवला, अर्जुन, नींबू, पीपल, नीम, चीकू, बेल आदि शामिल थे। इस अवसर पर श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि सभी को मां के नाम पर एक वृक्ष से जुड़ना चाहिए तथा निरन्तर वृक्षारोपण को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।

## राजभाषा संगोष्ठी एवं कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन

राजभाषा नीति के प्रति अनुकूल वातावरण बनाने हेतु तथा केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने व उत्साहवर्धक माहौल बनाने के लिए राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र, राजस्थान राज्य केन्द्र जयपुर में शुक्रवार दिनांक 30 अगस्त 2024 को श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी की अध्यक्षता में 01 जुलाई 2024 से 30 सितम्बर 2024 के अन्तर्गत राजभाषा संगोष्ठी और कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र राजस्थान के समस्त अधिकारीयों व कर्मचारियों ने व्यक्तिशः व जयपुर में स्थित एनआईसी के विभिन्न कार्यलय व जिला कार्यलयों द्वारा विडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया गया। संगोष्ठी के दौरान राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी महोदय ने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग के विषय के अपने विचार व्यक्त किये व समीक्षा की। उन्होंने सन्तुष्टि प्रकट की कि उनके मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र राजस्थान के समस्त अधीनस्थ कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग अधिकाधिक सुचारू रूप से किया जा रहा हैं और आगे भी इसे जारी रखेगें। इस दौरान राजभाषा सयोंजक ने राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र (मुख्यालय) नई दिल्ली द्वारा जारी "सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन - वार्षिक कार्यक्रम 2024-25" के अनुसार सभी द्वारा अनुपालन किये जाने वाले महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला ताकि शत् प्रतिशत कार्य हिन्दी में हो सके। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय नई दिल्ली के उपसचिव द्वारा दिनांक 18-19 जुलाई 2024 को राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र कोटा कार्यालय का राजभाषा सम्बन्धी निरीक्षण किया गया था। जिसके बारे में राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी ने सभी जिला अधिकारी को अवगत कराया व उपसचिव द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का अनुपालन सभी जिला केन्द्रों द्वारा किये जाने के निर्देश दिये। इससे पूर्व दिनांक 29 अगस्त 2024 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) जयपुर कि 87वीं अर्धवार्षिक बैठक हुई जिसमें राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी ने भाग लिया।

# विशेष आयोजनों पर एक नजर

स्वच्छता ही सेवा अभियान

एनआईसी राजस्थान में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक एनआईसी राजस्थान राज्य केंद्र, एनआईसी वीडीएन और सभी जिला केंद्रों पर स्वच्छता ही सेवा का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ हुई, जो एनआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिलाई गई। एनआईसी अधिकारियों ने सफाई गतिविधियां कीं। एनआईसी कार्यालयों में व्यापक सफाई गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें कार्यालय परिसर की सफाई, धूल हटाना, फर्नीचर की सफाई, फाइलों और कागजों की सफाई, कंप्यूटरों के लिए कचरा निकासी आदि गतिविधियाँ शामिल है। साथ ही कंप्यूटर सिस्टम, फाइलें, गलियारे, फर्नीचर, अलमारियों, प्रवेश द्वार आदि की भी सफाई की गयी। जिला केंद्रों और एनआईसी परियोजना कार्यालयों ने भी पूरे मन से भाग लेते हुए शपथ ली। अधिकारी पोर्टल पर ईवेंट बनाने के बाद दैनिक आधार पर ईवेंट की तस्वीरें अपलोड कर रहे हैं। स्वच्छता ही सेवा जीवन में बहुत सारी सकारात्मक चीजों का प्रवेश द्वार है।

डेटा एनालिटिक्स टूल तेजस का प्रशिक्षण

तेजस एक व्यापक डेटा एनालिटिक्स व विज़ुअलाइज़ेशन प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे सरकारी विभागों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए एनआईसी द्वारा विकसित किया गया है। एनआईसी राजस्थान के जिला केंद्रों के लिए 24 सितंबर 2024 को VC के माध्यम से एक इंटरैक्टिव प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। तेजस टूल कार्यान्वयन के पहले चरण के दौरान बाड़मेर, टोंक व श्रीगंगानगर पायलट जिले रहेंगे। इसके बाद, इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।

एसआईओ राजस्थान ने राजस्थान के माननीय राज्यपाल के सचिव से मुलाकात की

एसआईओ राजस्थान, श्री जितेंद्र कुमार वर्मा ने राजस्थान राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में आई.सी.टी गतिविधियों पर चर्चा करने के लिए राजभवन, जयपुर में राजस्थान के माननीय राज्यपाल के सचिव, श्री प्रथ्वी राज सांखला आईएएस से मुलाकात की।

पहचान पोर्टल यूआईडीएआई के साथ

राजस्थान में जन्म पंजीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले पहचान पोर्टल को यूआईडीएआई के साथ एकीकृत कर दिया गया है। इससे यूआईडीएआई को राज्य के जन्म पंजीकरण डेटाबेस के आधार पर नवजात शिशु की आधार नामांकन-आईडी बनाने में मदद मिलेगी।

पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम के लिए तकनीकी सहायता

20 सितंबर 2024 को राज्य के 33 स्थानों पर प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, आईटीआई आदि में पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम-2024 के सफल आयोजन हेतु एनआईसी जिला केंद्रों द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की गई व कार्यक्रम सफल बनाया गया।

# साइबर सुरक्षा सलाह

## साइबर सुरक्षा जागरूकता

साइबर सुरक्षा जागरूकता साइबर खतरों के खिलाफ आपकी डिजिटल संपत्तियों की सुरक्षा के लिए एक टूलकिट है। हमलावर महत्वपूर्ण डेटा तक पहुँचने के लिए सिस्टम सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए मैलवेयर, फ़िशिंग अभियान और बहुत कुछ का इस्तेमाल करते हैं। सुरक्षा जागरूकता और प्रशिक्षण, जोखिम को कम करता है और कर्मचारियों को फ़िशिंग प्रयासों, अनुचित डेटा शेयरिंग और अन्य जोखिम भरे व्यवहारों को पहचानने और उनसे बचने में मदद करता है जो साइबर सुरक्षा के उल्लंघनों का कारण बनते हैं।

*त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2024)*

# त्रैमासिक प्रोजेक्ट – निक्की चैटबोट सर्विस

एनआईसीसीआई (एनआईसी चैट इंटरफेस), एनआईसी राजस्थान द्वारा विकसित एक गतिशील और स्मार्ट चैटबॉट सेवा है, जो किसी भी पोर्टल को चैटबॉट इंटरफेस प्रदान करती है। डिजिटल सहायता सेवा को इस तरह से विकसित किया गया है कि इसे बिना किसी प्रोग्रामिंग आवश्यकताओं के किसी भी एप्लिकेशन के साथ जोड़ा जा सकता है। यह वॉयस-सक्षम सेवा है और जैसे ही उपयोगकर्ता द्वारा प्रश्न पूछा जाता है, यह उपयुक्त उत्तर खोजने के लिए प्रश्न को सार्थक शब्दों में तोड़ देता है, और बॉट पर टाइप करके और भाषण के माध्यम से संबंधित प्रतिक्रिया देने के लिए उपयोगकर्ता की क्वेरी तक पहुंचता है। इस सेवा की मदद से, उपयोगकर्ताओं को किसी भी डोमेन विशिष्ट प्रश्नों के उत्तर तुरंत प्राप्त होंगे, वह भी बिना किसी कर्मचारी की भागीदारी के। एनआईसीसीआई नागरिक विशिष्ट पोर्टलों के लिए बहुत उपयोगी है जहां 24x7 सहायता की आवश्यकता होती है। बॉट को बॉट ज्ञान बढ़ाने, कॉन्फ़िगर करने और चैटबॉट की प्रगति की निगरानी करने के लिए सामग्री प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) द्वारा समर्थित किया जाता है।

### *मुख्य विशेषताएं*

1. गतिशील और कॉन्फ़िगर करने योग्य चैटबॉट सेवा
2. कॉन्फ़िगरेशन और सेटिंग के लिए सामग्री प्रबंधन प्रणाली
3. प्रश्नों की रैंकिंग बनाए रखता है
4. वॉयस सक्षम प्रतिक्रियाएँ
5. सुरक्षित चैटबॉट
6. पोर्टल विशिष्ट हिट काउंटर
7. उत्तरदायी चैटबॉट को किसी भी पोर्टल या मोबाइल ऐप के लिए कॉन्फ़िगर किया जा सकता है
8. पोर्टल डेटाबेस में डोमेन विशिष्ट डेटा खोज
9. बॉट नियम
10. क्षेत्रीय भाषाओं का समर्थन
11. बॉट के साथ आपत्तिजनक संवाद म्यूट किए जाते हैं
12. उपयोगकर्ता की स्टार रेटिंग
13. उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया
14. मूवेबल और रिसाइज़ेबल
15. वॉयस असिस्टेंस

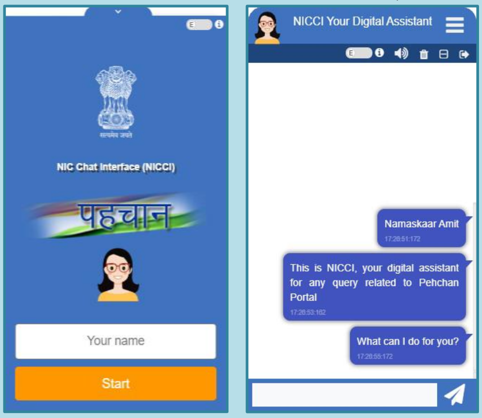


चित्र 1 – चैटबॉट इंटरफ़ेस

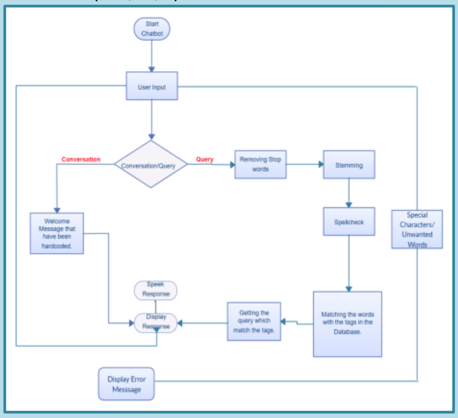


चित्र 2 – चैटबॉट प्रवाह

### *सामग्री प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस)*

चैटबॉट की सामग्री को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए, CMS विकसित किया गया है। CMS का नियंत्रण पोर्टल व्यवस्थापक को दिया जाता है जहाँ एक ही व्यवस्थापक के कई पोर्टल मैप किए जा सकते हैं। व्यवस्थापक CMS के माध्यम से पोर्टल से संबंधित प्रतिक्रियाओं को बनाए रख सकते हैं। द्विभाषी चैटबॉट इंटरफ़ेस को सक्षम करने के लिए द्विभाषी प्रतिक्रियाएँ (हिंदी / अंग्रेजी) भी बनाए रखी जा सकती हैं। CMS अनुत्तरित प्रश्नों को भी बनाए रखता है, यानी ऐसे प्रश्न जो उपयोगकर्ताओं द्वारा पूछे गए थे, लेकिन अपर्याप्त ज्ञान के कारण बॉट द्वारा उत्तर नहीं दिए जा सके। इन प्रश्नों का उत्तर व्यवस्थापक डैशबोर्ड के माध्यम से दिया जा सकता है ताकि बॉट का ज्ञान बढ़ाया जा सके और उपयोगकर्ता को प्रश्न का उपयुक्त उत्तर दिया जा सके। यह पोर्टल व्यवस्थापक को प्रश्नों की रैंकिंग, हिट काउंटर और संबंधित विकल्प भी दिखाता है। चैटबॉट पृष्ठभूमि का रंग, फ़ॉन्ट, पोर्टल लोगो, पोर्टल का नाम और बॉट पर प्रदर्शित होने वाली हेल्पलाइन नंबर भी CMS के माध्यम से कॉन्फ़िगर किया जा सकता है और इसे लाइव करने से पहले व किसीअसुविधा से बचने के लिए इसका पूर्ण रूप से परीक्षण किया जा सकता है।

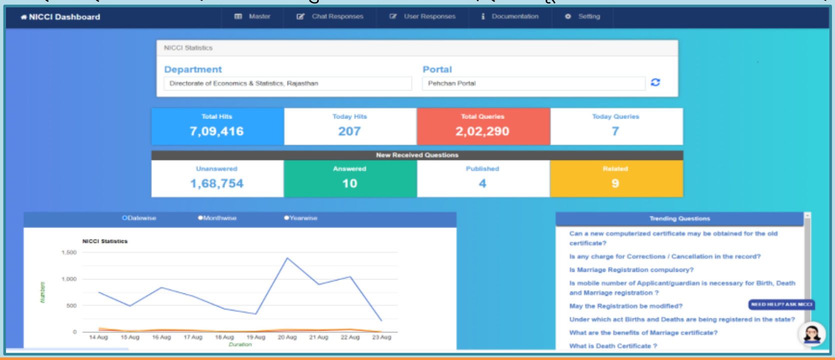


### *तकनीकी*

- चैटबॉट को JAVA स्क्रिप्ट, ASP.Net और C# में विकसित किया गया है
- बैकएंड डेटाबेस SQL सर्वर 2012 है
- ऑडियो के लिए ब्राउज़र स्पीच सिंथेटाइज़ेशन
- हिंदी में प्रश्नों के लिए देवनागरी हिंदी

### *फ़ायदे*

- सरल और उपयोग में आसान इंटरफ़ेस
- नागरिक केंद्रित पोर्टलों के लिए डिजिटल सहायता 24x7 काम करती है
- बिना किसी कोडिंग आवश्यकता के किसी भी पोर्टल के साथ चैटबॉट कार्यान्वयन
- क्षेत्रीय भाषा समर्थन
- ज्ञान के आधार को बढ़ाने के लिए सीखना

# एन. आई. सी. अधिकारियों द्वारा प्राप्त पुरस्कार व प्रशंसा पत्र

29 अगस्त, 2024 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एनआईसीएसआई, के 29 वें वार्षिक दिवस पर देश में सर्वश्रेष्ठ सेवाओं के लिए एनआईसीएसआई (निकसी) राजस्थान को पुरस्कार मिला। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री एस. कृष्णन ने यह पुरस्कार प्रदान किया।

जिला कलेक्टर राजसमंद - डॉ. भंवर लाल ने स्वत्तंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2024) पर राजसमंद जिलास्तरीय कार्यक्रम के दौरान जिले में डीआईएलआरएमपी परियोजना और चुनाव आईटी अनुप्रयोगों के प्रभावी मॉनिटरिंग, कार्यान्वयन के लिए श्री प्रेम शंकर चौबीसा, (डीआईओ) राजसमंद को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र राजस्थान राज्य केंद्र, के वैज्ञानिक-'एफ' श्री चंदन सेन ने स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, 2024) पर शासन सचिवालय जयपुर में आयोजित आधिकारिक समारोह में राजस्थान के मुख्य सचिव (सीएस), श्री सुधांश पंत आईएएस से उनके द्वारा किये कार्यो के लिए दक्षता पुरस्कार प्राप्त किया।

# परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

| SN | Project | Number of Transactions | | | Total Trans. |
|---|---|---|---|---|---|
| | | July 24 | Aug 24 | Sep 24 | |
| 1 | DBT through Pay Manager | 12917117 | 2111010 | 13251883 | 28280010 |
| 2 | DILRMP ROR | 7648260 | 2573366 | 6367045 | 16588671 |
| 3 | Shala Darpan | 2154050 | 248188 | 1791108 | 4193346 |
| 4 | IFMS - Rajkosh Challans | 1415141 | 1175026 | 1193361 | 3783528 |
| 5 | eGras | 1181924 | 1017156 | 1033954 | 3233034 |
| 6 | IFMS - Rajkosh Bills | 301723 | 508448 | 362761 | 1172932 |
| 7 | Pay Manager Other Bills | 229446 | 136578 | 184998 | 551022 |
| 8 | Registration and Stamps | 243568 | 203875 | 204967 | 652410 |
| 9 | E-Transport Vehicle Registration | 128295 | 125032 | 95111 | 348438 |
| 10 | E-Transport Driving License | 64893 | 52388 | 57255 | 174536 |

त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जुलाई से सितम्बर 2024)


# प्रौद्योगिकी वार्ता : बिग डाटा एनालिटिक्स

श्री विकास मीना
वैज्ञानिक-बी, डीआईओ, बूंदी


आज की दुनिया में, बिग डेटा एनालिटिक्स हर उद्योग में ऑनलाइन किए जाने वाले हर काम को बढ़ावा दे रहा है। बिग डेटा एनालिटिक्स एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका उपयोग छिपे हुए पैटर्न, अज्ञात सहसंबंध, बाजार के रुझान और ग्राहक वरीयताओं जैसे सार्थक अंतर्दृष्टि को निकालने के लिए किया जाता है। बिग डेटा एनालिटिक्स कई तरह के लाभ प्रदान करता है- इसका उपयोग बेहतर निर्णय लेने, धोखाधड़ी की गतिविधियों को रोकने, बड़े नवाचारों और उत्पाद मूल्य अनुकूलन, शक्तिशाली अंतर्दृष्टि और अन्य चीजों के अलावा व्यवसाय अनुकूलन के लिए किया जा सकता है। बिग डेटा डेटा सेट की एक विशाल मात्रा है जिसे पारंपरिक उपकरणों का उपयोग करके संग्रहीत, संसाधित या विश्लेषित नहीं किया जा सकता है। डेटा विभिन्न स्वरूपों में भी मौजूद होता है, जैसे संरचित डेटा, अर्ध-संरचित डेटा और असंरचित डेटा। सभी डेटा को मिलाकर बिग डेटा बनता है। आज, बिग डेटा एनालिटिक्स विभिन्न उद्योगों में सभी आकारों के संगठनों के लिए एक आवश्यक उपकरण बन गया है। बिग डेटा की शक्ति का उपयोग करके, संगठन अपने ग्राहकों, अपने व्यवसायों और उनके आस-पास की दुनिया के बारे में ऐसी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम हैं जो पहले संभव नहीं थी।

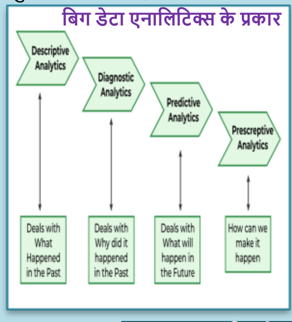


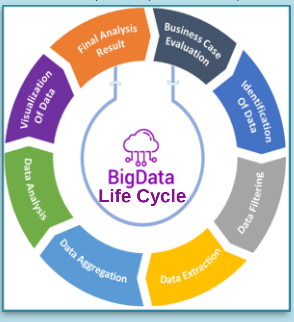


## बिग डेटा एनालिटिक्स का जीवन चक्र

**1. व्यावसायिक मामले का मूल्यांकन** - बिग डेटा एनालिटिक्स जीवनचक्र एक व्यावसायिक मामले से शुरू होता है, जो विश्लेषण के पीछे के कारण और लक्ष्य को परिभाषित करता है।
**2. डेटा की पहचान** - यहाँ, डेटा स्रोतों की एक विस्तृत विविधता की पहचान की जाती है।
**3. डेटा फ़िल्टरिंग** - पिछले चरण से पहचाने गए सभी डेटा को दूषित डेटा को हटाने के लिए फ़िल्टर किया जाता है।
**4. डेटा निष्कर्षण** - उपकरण के साथ असंगत डेटा को निकाला जाता है और संगत रूप में परिवर्तित किया जाता है।
**5. डेटा एकत्रीकरण** - इस चरण में, विभिन्न डेटासेट में समान फ़ील्ड वाले डेटा को एकीकृत किया जाता है।
**6. डेटा विश्लेषण** - उपयोगी जानकारी की खोज के लिए विश्लेषणात्मक और सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके डेटा का मूल्यांकन किया जाता है।
**7. डेटा का विज़ुअलाइज़ेशन** - Tableau, Power BI और QlikView जैसे उपकरणों के साथ, बिग डेटा विश्लेषक विश्लेषण के ग्राफ़िक विज़ुअलाइज़ेशन का उत्पादन कर सकते हैं।
**8. अंतिम विश्लेषण परिणाम** - यह बिग डेटा एनालिटिक्स जीवनचक्र का अंतिम चरण है, जहाँ विश्लेषण के अंतिम परिणाम व्यवसाय हितधारकों को उपलब्ध कराए जाते हैं जो कार्रवाई करेंगे।

## बिग डेटा एनालिटिक्स के प्रकार

**1. वर्णनात्मक विश्लेषण** - यह पिछले डेटा को ऐसे रूप में सारांशित करता है जिसे लोग आसानी से पढ़ सकते हैं। यह कंपनी के राजस्व, लाभ, बिक्री आदि रिपोर्ट बनाने सोशल मीडिया मेट्रिक्स के सारणीकरण में मदद करता है।
**2. डायग्नोस्टिक एनालिटिक्स** - यह समझने के लिए किया जाता है कि सबसे पहले समस्या किस वजह से हुई। ड्रिल-डाउन, डेटा माइनिंग और डेटा रिकवरी जैसी तकनीकें इसके उदाहरण हैं। संगठन डायग्नोस्टिक एनालिटिक्स का उपयोग करते हैं क्योंकि वे किसी विशेष समस्या के बारे में गहन जानकारी प्रदान करते हैं।
**3. प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स** - इस प्रकार का एनालिटिक्स भविष्य की भविष्यवाणी करने के लिए ऐतिहासिक और वर्तमान डेटा को देखता है। प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स वर्तमान डेटा का विश्लेषण करने और भविष्य के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए डेटा माइनिंग, AI और मशीन लर्निंग का उपयोग करता है। यह ग्राहक रुझान, बाजार रुझान आदि की भविष्यवाणी करने पर काम करता है।
**4. प्रिस्क्रिप्टिव एनालिटिक्स:** - इस प्रकार का एनालिटिक्स किसी विशेष समस्या का समाधान बताता है। परिप्रेक्ष्य विश्लेषण वर्णनात्मक और भविष्यसूचक दोनों तरह के एनालिटिक्स के साथ काम करता है। अधिकांश समय, यह AI और मशीन लर्निंग पर निर्भर करता है।

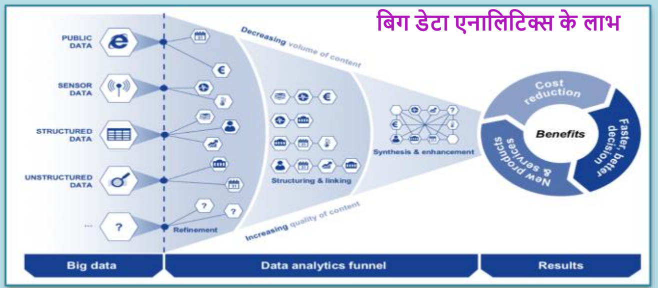

बिग डेटा एनालिटिक्स संगठनों को अपने डेटा का उपयोग करने और नए अवसरों की पहचान करने के लिए इसका उपयोग करने में मदद करता है जो आगे चलकर बेहतर व्यावसायिक कदम, अधिक कुशल संचालन, उच्च लाभ और खुश ग्राहक प्रदान करता है। बेहतर निर्णय लेने, बढ़ी हुई दक्षता, बेहतर ग्राहक अनुभव और प्रतिस्पर्धी लाभों के महत्वपूर्ण लाभों के अलावा, बिग डेटा एनालिटिक्स डेटा गुणवत्ता के मुद्दों, गोपनीयता संबंधी चिंताओं, जटिलता और पूर्वाग्रहों जैसी चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। बिग डेटा एनालिटिक्स पिछले कुछ वर्षों से सुर्खियों में है और लगभग हर क्षेत्र में बाजार पर हावी रहेगा। बिग डेटा की मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है और आज बाजार में पर्याप्त उपकरण उपलब्ध हैं, उदाहरण के लिए अपाचे हडूप, कैसंड्रा, क्यूबोले, एक्सप्लेंटी, स्पार्क, मोंगो डीबी, अपाचे स्टॉर्म आदि। आपको बस सही दृष्टिकोण की आवश्यकता है और परियोजना की आवश्यकता के अनुसार सबसे अच्छा डेटा एनालिटिक टूल चुनना है।


**Published By**

संरक्षक
श्री जे. के. वर्मा, एस. आई. ओ. राजस्थान



Editorial Board

श्री मुकेश कुमार झा, वैज्ञानिक-'एफ'
श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री प्रेम शंकरचौबीसा, वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'



राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेलः sioraj@nic.in
वेबसाइटः https://raj.nic.in


## एनआईसी राजस्थान में नए सदस्यों का स्वागत

सुश्री पूनम कुमारी
एसटीए - 'ए'
एनआईसी-झुंझुनू
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 15.07.2024

श्री मनीष कवात
एसटीए – 'ए'
एनआईसी-अलवर
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 19.07.2024

सुश्री पूजा कुमारी
एसटीए-'ए'
एनआईसी सवाई माधोपुर
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 19.07.2024

श्रीमती सोनिया
एसटीए-'ए'
एनआईसी श्री गंगानगर
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 19.07.2024

श्री अमित कुमार
एसटीए-'ए'
एनआईसी-करौली
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 19.07.2024

श्रीमती प्रियंका
एसटीए-'ए'
एनआईसी-जयपुर
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 22.07.2024

सुश्री वंदना
एसटीए-'ए'
एनआईसी- झालावाड़
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 23.07.2024

सुश्री सविता
एसटीए-'ए'
एनआईसी- हनुमानगढ़
(जिला केंद्र)
कार्यग्रहण तिथि - 08.08.2024

## राजस्थान से स्थानांतरित एनआईसी अधिकारियों को विदाई

श्री संजय रामदेव
(वैज्ञानिक-एफ)
एनआईसी जालोर
से
एनआईसी गुजरात राज्य केंद्र

श्री अशोक कुमार वर्मा
(वैज्ञानिक-ई)
एनआईसी भरतपुर
से
एनआईसी मुख्यालय नई दिल्ली

श्री अनिल कुमार भाल
(वैज्ञानिक-ई)
एनआईसी बूंदी
से
एनआईसी मुख्यालय
(नई दिल्ली)

श्री वीरेन्द्र कुमार गौड़
(वैज्ञानिक-ई)
एनआईसी सिरोही
से
एनआईसी मुख्यालय
(नई दिल्ली)